तुर्कों का आक्रमण - महमूद ग़ज़नवी - मोहम्मद गोरी

अरबों के आक्रमण के प्रतिक्रिया में भारत में अनेक शक्तियों का उदय हुआ केंद्रीकृत शासन के अभाव एवं आपसी संघर्ष के कारण ये तुर्क मुस्लमान का विरोध करने में विफल रहे। तुर्क , चीन के उत्तरी पश्चिमी सीमा पर निवास करने वाली बर्बर जाति थी उमैय्या वादी मुसलमानों के संपर्क में आने के बाद इन्होने इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया।

अलप्तगीन

ये बुखारा के शासक का तुर्क दास था इसके मरने के बाद परिस्थितियों का फायदा उठाकर अलप्तगीन 800 वफादार सैनिकों के साथ अफगान प्रदेश के गज़नी शहर में बस गया और यहाँ स्वतंत्र ग़ज़नवी वंश के स्थापन की।

सुबुक्तगीन

सुबुक्तगीन (977-997) प्रारम्भ में अलप्तगीन का गुलाम था पर इसकी काबिलियत से प्रभावित होकर अलप्तगीन ने सुबुक्तगीन को अपना दामाद बना लिया |
सुबुक्तगीन ही पहला तुर्क था जिसने हिन्दू (शाही शासक) जयपाल को पराजित किया |
भारत पर आक्रमण करने वाला यह पहला तुर्क मुस्लिम शासक था
सुबुक्तगीन के मरने के बाद इसका बेटा ग़ज़नवी गद्दी पर बैठा।

महमूद ग़ज़नवी

महमूद ग़ज़नवी (998-1030) ने 1000 ईस्वी से 1027 ईस्वी तक भारत पर कुल 17 आक्रमण किये , इसका मुख्य उद्देश्य भारत की विशाल संपत्ति लूटना था
1000 ईस्वी में इसने सीमावर्ती किलों को जीता |

वैहिंद की पहली लड़ाई - इसने जयपाल शासक को फिर पराजित किया जयपाल को छोड़ दिया गया तथा ग्लानि के वजह से जयपाल ने आत्महत्या कर ली।

वैहिंद की दूसरी लड़ाई - इसने जयपाल के पुत्र आनंदपाल को हराया और मुल्तान पर कब्ज़ा किया |

थानेश्वर , कन्नौज , और कालिंजर आदि को जीता , मथुरा और आस पास के इलाकों में १००० से अधिक मंदिरों में लूटपाट कर उसे नष्ट कर दिया। हिन्दू मंदिरों को तोड़ने के कारण इसे **बुतशिकन** या **मूर्तिभंजक** कहा जाता है।
इसका सबसे प्रसिद्द आक्रमण सोमनाथ मंदिर पर था जिसे इसने बुरी तरह से नष्ट किया और अपार सम्पदा लूटी। इस समय चालुक्य वंश के शासक भीम १ का शासन था बाद में भीमदेव ने ही इसे पुनः निर्मित किया।

यह विद्वानों और कला का संरक्षक था इसके द्वारा जारी चांदी के सिक्कों में एक तरफ अरबी भाषा तथा दूसरी तरफ संस्कृत थी।

- **फिरदौसी** ग़ज़नवी का दरबारी कवि था जिसने **शाहनामा** लिखी।
- **अलबरूनी** इसी समय भारत आया तथा **किताब उल हिन्द** लिखी , यह संस्कृत और त्रिकोणमिति का विद्वान था तथा पुराणों का अध्यन करने वाला पहला मुस्लिम था।

मोहम्मद गोरी

- इसे भारत में **मुस्लिम साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक** कहा जाता है।
- उपाधि - गौर वंश का मुहम्मद
- वास्तविक नाम - मुईजुद्दीन मोहम्मद बिन साम
- सर्वप्रथम बारवीं शताब्दी के मध्य में गौरी वंश का उदय हुआ। गौर , ग़ज़नवी के अधीन एक छोटा सा पहाड़ी राज्य था। 1173 में यह यहाँ का शासक बना था
- 1175 से इसने भारत पर आक्रमण करना शुरू किया , पहला आक्रमण मुल्तान पर था। तथा इसको जीता।
  1178 में इसने गुजरात पर आक्रमण किया तथा वह के शासक भीम 2 ने इसे बुरी तरह पराजित किया।

तराइन का प्रथम युद्ध

मोहम्मद गोरी और पृथ्वीराज 3 (पृथ्वीराज चौहान) के बीच ऐतिहासिक युद्ध हुआ जिसमे गोरी बुरी तरह से पराजित किया गया

तराइन का द्वितीय युद्ध

मोहम्मद गोरी और पृथ्वीराज 3 (पृथ्वीराज चौहान) के बीच दूसरा युद्ध हुआ जिसमे पृथ्वीराज चौहान की हार हुई |

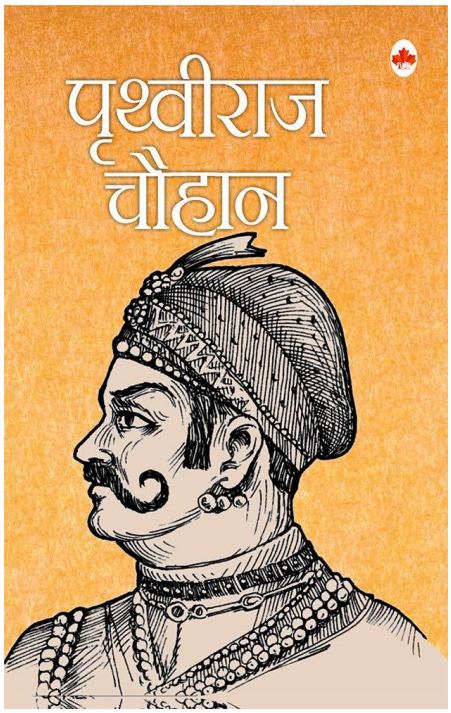

- मोहम्मद गोरी के सेनापति ने ही नालंदा विश्वविद्यालय को हानि पहुंचाई , सेनापति का नाम बख्तियार खिलजी था
- इसने जीते हुई क्षेत्र का भार कुतुब्बुदीन ऐबक को सौंपकर वापस गज़नी चला गया।

Q.मुहम्मद गोरी भारत किस दर्रे को पार करके आया ?
A. गोमल दर्रा